श्री चिंतपूर्णी देवी की आरती **in Hindi**

चिंतपूर्णी चिंता दूर करनी,
जग को तारो भोली माँ
जन को तारो भोली माँ,
काली दा पुत्र पवन दा घोड़ा ॥
॥ भोली माँ ॥

सिन्हा पर भाई असवार,
भोली माँ, चिंतपूर्णी चिंता दूर ॥
॥ भोली माँ ॥

एक हाथ खड़ग दूजे में खांडा,
तीजे त्रिशूल सम्भालो ॥
॥ भोली माँ ॥

चौथे हाथ चक्कर गदा,
पाँचवे-छठे मुण्ड़ो की माला ॥
॥ भोली माँ ॥

सातवे से रुण्ड मुण्ड बिदारे,
आठवे से असुर संहारो ॥
॥ भोली माँ ॥

चम्पे का बाग़ लगा अति सुन्दर,
बैठी दीवान लगाये ॥
॥ भोली माँ ॥

हरी ब्रम्हा तेरे भवन विराजे,
लाल चंदोया बैठी तान ॥
॥ भोली माँ ॥

औखी घाटी विकटा पैंडा,
तले बहे दरिया ॥
॥ भोली माँ ॥

सुमन चरण ध्यानु जस गावे,
भक्तां दी पज निभाओ ॥
॥ भोली माँ ॥

चिंतपूर्णी चिंता दूर करनी,
जग को तारो भोली माँ

Mata Shri Chintpurni Devi Aarti in English

Chintapurni chinta door karni,
Jag ko taro Bholi Maa
Jan ko taro Bholi Maa,
Kaali da putr pawan da ghoda.
Bholi Maa

Sinha par bhai aswaar,
Bholi Maa, Chintapurni chinta door.
Bholi Maa

Ek haath khadag duje mein khanda,
Teeje trishool sambhalo.
Bholi Maa

Chauthe haath chakkar gada,
Paanchve-chhatthe mundon ki mala.
Bholi Maa

Saatve se rund mund bidare,
Aathve se asur sanharo.
Bholi Maa

Champe ka bag laga ati sundar,
Baithi diwan lagaye.
Bholi Maa

Hari Brahma tere bhavan viraje,
Lal chandoya baithi taan.
Bholi Maa

Aukhi ghaati vikata painda,
Tale bahe dariya.
Bholi Maa

Suman charan dhyanu jas gaave,
Bhaktan di paj nibhayo.
Bholi Maa

Chintapurni chinta door karni,
Jag ko taro Bholi Maa